बच्चों को प्रतिभा दिखाने मिले मंच : भूरिया

जवाहर बाल भवन में मुख्यमंत्री बाल खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव 2025 का समापन

भोपाल, 17 जुलाई. महिला-बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया की उपस्थिति में भोपाल स्थित जवाहर बाल भवन में गुरुवार को मुख्यमंत्री बाल खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव 2025 का समापन समारोह आयोजित हुआ. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बच्चों को समय-समय पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलना चाहिए. यह मंच केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को विकसित करने का अवसर है.

कार्यक्रम में मंत्री भूरिया ने प्रतिभागी बच्चों के आत्मविश्वास और उत्साह की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सराहनीय पहल है. उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के इस अभिनव प्रयास की भी सराहना की और बच्चों को सीखने, आनंद लेने और एक-दूसरे से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया. समारोह में मंत्री भूरिया ने विभिन्न स्पर्धाओं के विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्रदान किए.

इस अवसर पर महिला-बाल विकास विभाग की उप सचिव माधवी नागेंद्र सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे.

> महोत्सव के तहत 20 जून से 20 जुलाई 2025 तक प्रदेशभर में संचालित बालगृहों में खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं. जिले और संभाग स्तर पर संपन्न इन प्रतियोगिताओं में 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने भाग लिया. कुल मिलाकर 40 विधाओं में 286 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के 8 बालगृहों से आए बच्चों के बीच विविध आयु वर्गों में खेल जैसे लॉन्ग जंप, 100 मीटर दौड़, शतरंज, खो-खो, कबड्डी, कैरम और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया. संभाग स्तरीय विजेताओं को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चयनित किया गया है.

जागरुकता सत्र में कौशल पर दिया जोर

भोपाल, 17 जुलाई. मनोविज्ञान विभाग के सहयोग से भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज के इक्वल ओपोर्च्युनिटी सेल (समान अवसर सेल) ने विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर जागरुकता सत्र का आयोजन किया. सत्र के लिए थीम स्किलिंग यूथ फॉर इंक्लूसिव ग्रोथ था, जिसका उद्देश्य सभी शिक्षार्थियों को सशक्त बनाने वाले समावेशी, न्यायसंगत और सुलभ कौशल पारिस्थितिक तंत्र के निर्माण के महत्व को उजागर करना था.

शनू सिंह, मनोवैज्ञानिक, कैरियर परामर्शदाता, और माध्यम में डिप्टी एडिटर, सत्र की लिए विशेषज्ञ वक्ता थीं. उन्होंने युवाओं के बीच जीवन कौशल विकसित करने की आवश्यकता पर व्यावहारिक चर्चा के साथ, एक महत्वपूर्ण संचार और पारस्परिक कौशल के रूप में सक्रिय सुनने पर विशेष जोर दिया. सत्र के सबसे आकर्षक भागों में से एक सिंह द्वारा संचालित एक इंटरैक्टिव गतिविधि थी, जो सक्रिय रूप से और सहानुभूतिपूर्वक सुनने के महत्व को दर्शाने पर केंद्रित थी. यह सत्र सेल प्रभारी डॉ स्वप्ना पिल्लई के मार्गदर्शन में अविशा पीटर्स ने आयोजित किया.

सीआईएसएफ जवानों ने किया पौधारोपण

▶ राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में पौधारोपण कार्यक्रम

भोपाल, 17 जुलाई. एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत गुरुवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

इस अवसर पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) केंद्रीय भंडारण डिपो के कमांडिंग ऑफिसर सीपीएस राठौर, उप कमांडेंट राकेश रंजन तिवारी एवं संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे, जनसंपर्क अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार, कार्यालय अध्यक्ष एस के पांडे, प्रशासनिक अधिकारी, दीपक चौधरी, हॉर्टिकल्चर अधिकारी धीर सिंह, श्री सुधीर श्रीवास्तव प्रकाशन अधिकारी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारियों एवं सशस्त्र सीमा बल के जवानों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे का रोपण संग्रहालय की जनजातीय आवास प्रदर्शनी के सरना पवित्र वन क्षेत्र में किया. इस अवसर पर संग्रहालय की ओर से आगंतुक अधिकारियों को स्मृति चिन्ह एवं पौधे भेंटकर सम्मानित किया गया.

विद्यालय में रिक्त पदों के विरुद्ध होगी री-ज्वॉइनिंग

भोपाल, 17 जुलाई. शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में पूर्व से कार्यरत अतिथि शिक्षक आवेदकों की रिक्त पद होने पर री-ज्वॉइनिंग के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समय सारणी जारी की है. समय सारणी के अनुसार आवेदकों को अंतिम अवसर देते हुए 17 जुलाई गुरुवार तक री-ज्वॉइनिंग करने के निर्देश जारी किये थे. नियत तिथि के बाद 18 जुलाई 2025 को रिक्त पदों की पुन: समीक्षा की जायेगी. प्रदेश में करीब 60 हजार से अधिक अतिथि शिक्षक शिक्षण कार्य से जुड़े हुए हैं.

एक साल में 3 हजार ऑर्थोसिस वितरित

▶ एम्स की प्रोस्थेटिक सेवा से आत्मनिर्भर बन रहे दिव्यांगजन

भोपाल, 17 जुलाई. एम्स भोपाल पिछले साल 3 जुलाई 2024 को भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग (पीएमआर) द्वारा लोअर लिंब प्रोस्थेटिक सेवा का औपचारिक शुभारंभ किया गया था, जिसके साथ ही दिव्यांगजनों को कृत्रिम पैरों का वितरण प्रारंभ हुआ.

अब इस सेवा को एक वर्ष पूर्ण हो चुका है, और इस अवधि में यह पहल दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मविश्वास, गतिशीलता और आत्मनिर्भरता लाने में एक महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरी है. भारत में अंग विच्छेदन (अम्प्यूटेशन) के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है, जिसके प्रमुख कारणों में सड़क दुर्घटनाएं, मधुमेह (डायबिटीज) और परिधीय रक्तवाहिनी रोग (Peripheral Vascular Disease - PVD) शामिल हैं. आंकड़ों के अनुसार, कुल अम्प्यूटेशन मामलों में से लगभग 85 प्रतिशत केवल पैरों से संबंधित होते हैं, जो शरीर का भार उठाने, चलने-फिरने और दैनिक कार्यों को करने के लिए अत्यंत आवश्यक होते हैं. जब कोई व्यक्ति अपने पैरों से वंचित हो जाता है, तो वह शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से गहरे प्रभाव में आ जाता है. उसकी आत्मनिर्भरता समाप्त हो जाती है और वह दूसरों पर आश्रित हो जाता है. ऐसे में प्रोस्थेसिस (कृत्रिम अंग) न केवल उसे दोबारा चलने की शक्ति प्रदान करते हैं, बल्कि जीवन में आत्मविश्वास, सम्मान और सक्रियता भी लौटाते हैं.

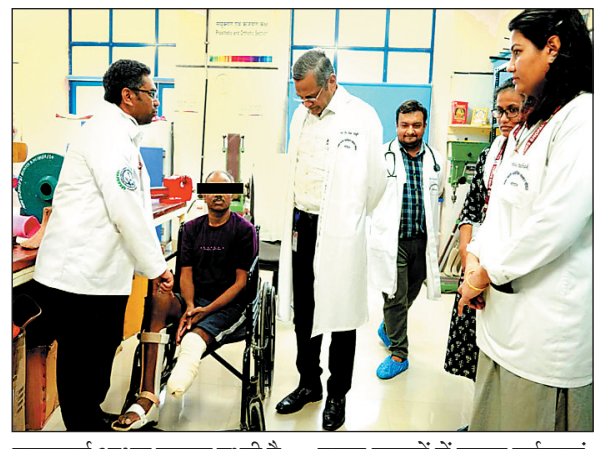

एक नजर में

शुभांशु का चित्र लेकर जत्था अमरनाथ रवाना

भोपाल. भारत के गौरव शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा सफलता पर उनका छाया चित्र लेकर बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए अमरनाथ यात्रियों का 12 वां जत्था गुरुवार को अमरनाथ के लिए रवाना हुआ. ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि 85 श्रद्धालुओं का 12 वां जत्था मण्डल अध्यक्ष राज कुमार शर्मा के नेतृत्व में भारत के गौरव अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का चित्र लेकर अमरनाथ रवाना हुआ. इस जत्थे में 26 महिलाएं शामिल है. उन्होंने बताया 3 जुलाई से अब तक 14 दिनों में 2,47,000 यात्रियों ने बाबा बर्फानी के दर्शन कर लिए हैं. रिंकू भटेजा ने बताया कि 17 जुलाई को अमरनाथ में मूसलाधार वर्षा होने के कारण पहलगाम एवं बालटाल दोनों मार्गों से कुछ समय के लिए अमरनाथ यात्रा स्थगित कर दी गई है.

अमरावत खुर्द के स्कूली बच्चों को बैग वितरित

भोपाल. शासकीय प्राइमरी स्कूल बीडीए कॉलोनी एवं अमरावत खुर्द में स्कूली बच्चों को राज्य मंत्री कृष्णा गौर ने बैग वितरित किए. अतुल कुमार अंजान ने बताया कि,मंत्री गौर के नेतृत्व में विगत 5 वर्षों से बीडीए एवं अमरावत खुर्द के स्कूल में बच्चों को विभिन्न तरह की सामग्री उपलब्ध कराई जाती है. इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा, संकुल प्राचार्य स्मिता मेश्राम, एसीएस अर्पिता सिंह चौहान, डॉ. करण सिंह, स्कूल प्राचार्य शोभना उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र धोटे, पार्षद बी शक्ति राव आदि उपस्थित थे.

उत्तेजना भावनात्मक रूप से कमजोर बनाती है

भोपाल. उत्तेजना भावनात्मक रूप से कमजोर बनाती है: उपरोक्त उद्गार मुनिश्री प्रमाण सागर महाराज ने उत्तेजना के लक्षण तथा उसके दुष्परिणाम एवं निवारण पर अपने अनमोल वचनों से विद्या प्रमाण गुरुकुलम् अवधपुरी में व्यक्त किये. मुनिश्री ने कहा कि कुछ लोग इतने उत्तेजित होते हैं कि जैसे कोई बम फटा हो, किसी को भी बिना सोचे समझे कठोर शब्द कह देना यह उत्तेजना के प्रमुख लक्षण हैं. उन्होंने निवारण का उपाय बताते हुये कहा कि रोजाना इन वाक्यों को दोहराते हुये भावनायोग कीजिये मुझे शांत रहना है- मुझे संयम रखना है- मुझे सहज रहना है, मुझे सकारात्मक रहना है ये चार वाक्यों पर यदि आपने पांच मिनट तक भावनायोग कर लिया तो आदतों में बदलाव आ जाएगा. प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया मुनि श्री के प्रवचन हिंदी वर्णमाला के उ अक्षर से प्रतिदिन विद्या प्रमाण गुरुकुलम् अवधपुरी में सुबह 8:30 बजे से 9:30 तक हो रहे हैं एवं सांयकाल 6:20 से शंका समाधान कार्यक्रम संपन्न होता है.

सेवा सदन को मिला सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य पुरस्कार

भोपाल, 17 जुलाई. सामुदायिक नेत्र सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर संत हिरदाराम नगर स्थित सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को अहमदाबाद में आयोजित नेशनल कांफ्रेंस में सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य पुरस्कार प्रदान किया गया है.

पुरस्कार स्वरूप एक लाख रुपये प्रदान किए गए, यह पुरस्कार नीमच के जी.डी अग्रवाल गोमाबाई नेत्रालय द्वारा दिया गया, जो प्रतिवर्ष किसी एक नेत्र चिकित्सा संस्थान को उसके सेवा कार्यों और अंधत्व नियंत्रण कार्यक्रम के कार्यान्वयन में उल्लेखनीय सेवाएं देने पर दिया जाता है. सम्मान समारोह में अन्तर्राष्ट्रीय एनजीओ विजन 2020: राइट टु साइट के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजेश सैनी, उपाध्यक्ष यशवंत सिंहा, सचिव प्रो. प्रवीण वशिष्ठ एवं कुलदीप सिंह विषेष रूप से उपस्थित थे.

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय की ओर से यह पुरस्कार विगत दिवस अहमदाबाद में ब्लाइंड पीपल एसोसिएशन के 19वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी साधवानी, मेडिकल डायरेक्टर डॉ. प्रेरणा उपाध्याय को प्रदान किया गया. इस अवसर पर सेवा सदन के ट्रस्टीगण तुलसी आडवानी, राजकुमार मूलचंदानी उपस्थित थे. सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय के डायरेक्टर कुशल धर्मानी, हॉस्पिटल मैनेजर भारती जनियानी और अनुषा तिवारी पाठक ने अपने-अपने पेपर्स का वाचन किया. सेवा सदन के कंसलटेंट कर्नल डॉ. मदन देशपांडे को लाइफ टाइम अचीवमेंट और डायरेक्टर कुशल धर्मानी को यंग लीडर्स नेत्र सुरक्षा चैंपियन अवार्ड 2025 प्रदान किया गया.

रीडिंग में गड़बड़ी, 2 मीटर रीडर की सेवाएं समाप्त

भोपाल, 17 जुलाई. रायसेन वृत्त में विद्युत मीटर रीडिंग के दौरान गड़बड़ी करने वाले 2 मीटर रीडरों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं. साथ ही 14 मीटर रीडरों को कार्य में लापरवाही के लिये नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं. रायसेन वृत्त के महाप्रबंधक प्रदीप सिंह चौहान ने बताया कि कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में सिलवानी वितरण केन्द्र के मुआर पाठ सब स्टेशन के मीटर रीडर दीपक जाटव तथा सेवांस्नी सब स्टेशन के मीटर रीडर अंकित सेन की सेवा समाप्त कर दी गई है. साथ ही ऐसे मीटर रीडर जिनका परफॉर्मेंस लक्ष्य के अनुरूप नहीं पाया गया, इन 14 मीटर रीडरों को आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से नोटिस जारी किये गये हैं.

कथक में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने रिहर्सल

भोपाल, 17 जुलाई. भोपाल की जानी-मानी आर्ट एंड कल्चर एकेडमी विविधा की 150 से ज्यादा छात्राएं 20 जुलाई को 12 घंटे तक लगातार शास्त्रीय कथक नृत्य की प्रस्तुति देकर गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करने जा रहे हैं. विश्व रिकॉर्ड को बनाने की परिकल्पना अकादमी के डायरेक्टर संगीतकार अभय तिवारी ने की तथा कत्थक नृत्य नृत्यांगना एवं गुरु अभिलाषा तिवारी के सानिध्य में पिछले दो महीने से इस विश्व रिकॉर्ड की तैयारी चल रही है.

महेश्वरी साड़ियों की बुनाई में स्थापत्य कला की झलक

▶ मैजिक ऑफ महेश्वर उत्सव में महेश्वरी कला का जादू

भोपाल, 17 जुलाई. मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा निगम की ओर से आयोजित 'मैजिक ऑफ महेश्वर' उत्सव शहरवासियों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र बन गया है.

जीटीबी कॉम्पलेक्स स्थित मृगनयनी एम्पोरियम में आयोजित उत्सव में महेश्वर के पारंपरिक बुनकर मो. शावेज हनीफ अंसारी द्वारा तैयार की गई महेश्वरी साड़ियों, दुपट्टों और परिधानों का अनूठा संग्रह प्रदर्शित किया गया है, जिसे देखने और खरीदने के लिए लगातार भीड़ उमड़ रही है. इस आयोजन में राज्य के महेश्वर से आए बुनकर कलाकार ने अपनी कला का जीवंत प्रदर्शन किया. यह प्रदर्शनी 21 जुलाई तक चलेगी.

बुनकर शावेज ने बताया कि महेश्वर सिर्फ एक बुनाई केन्द्र नहीं, बल्कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है. यहाँ की साड़ियों की बुनाई में महेश्वर के राजमहल, नर्मदा घाट, किले की जालीदार खिड़कियों और मंदिर के स्थापत्य की झलक देखी जा सकती है. उत्सव में आये बुनकरों ने अपने उत्पादों के माध्यम से इस स्थापत्य कला को कपड़ों पर उकेरने का प्रयास किया है, जिसे लोगों द्वारा बेहद सराहा जा रहा है. एम्पोरियम में लगी प्रदर्शनी में रेहटी, लहरिया, रूपम, चमेली, नारायणी, फूलजड़ी और बारामदा बॉर्डर डिजाइन की साड़ियां प्रमुख आकर्षण बनी हुई हैं. इनकी बुनाइयों में महेश्वर के किले के गलियारों और नर्मदा के घाटों की आकृतियां दर्शाई गई हैं.

> बुनकरों का कहना है कि ये डिजाइन केवल सौंदर्य नहीं बल्कि महेश्वर के गौरव और पहचान का प्रतीक हैं. बुनकर मो. शावेज ने बताया, यह कला हमारे लिए सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि परंपरा और संस्कृति को जीवित रखने का माध्यम है. हर धागा हमारी अस्मिता और इतिहास को जोड़ता है. उत्सव में लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया से उत्साह दोगुना हो गया है. उत्सव के प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि इस उत्सव का उद्देश्य महेश्वर के बुनकरों को सीधा बाजार से जोड़ना और उनकी कला को सम्मान देना है. साथ ही शहरी ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण पारंपरिक उत्पाद उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना भी प्राथमिकता है.

चित्रकला प्रदर्शनी | नेत्र विशेषज्ञ और चित्रकार डॉ. ज्योति सेठा ने चित्र प्रदर्शनी से दिया संदेश

जोश और जूनून हो तो कर सकते हैं अपने सपनों को पूरा

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 17 जुलाई. जोश और जुनून अगर आप में है तो आप किसी भी कार्य को करते हुए भी अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं. मदन मोहन मेमोरियल हॉस्पिटल, नर्मदापुरम की प्रसिद्ध नेत्रसर्जन एवं चित्रकार डॉ. ज्योति सेठा द्वारा बनाये गए चित्रों को देखकर ऐसा ही लगता है.

बिरला मंदिर संग्रहालय में डॉ ज्योति द्वारा बनाये गए चित्रों की प्रदर्शनी लगाई जा चुकी है. प्रदर्शनी में पारंपरिक भारतीय लोक कला शैली में पार्वती, श्वेत-श्याम अनेक भुजाओं व शांत भाव के साथ कमल पर आसीन देवी लक्ष्मी, हिंदू महाकाव्य रामायण से भगवान राम और सीता को दर्शाती वन गमन और प्राकृतिक परिवेश से जुड़ी कलाकृति जैसी अनेक पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई है.

इसके अतिरिक्त डॉक्टर ज्योति ने बताया कि विस्तृत रेखाओं और जटिल पैटर्न वाली शैली की पक्षियों से सम्बंधित चित्र भी संग्रहालय में लगे हैं, जिसमें प्राकृतिक जुड़ाव और भाव हैं.

> डॉ. ज्योति ने बताया कि प्रदर्शनी में कई तरह के फूलदान भी हैं, जिस पर विभिन्न आकार के लंबे, पतले और गोल पात्रों पर नीले और हरे रंग के फूलों की आकृति चित्रित हैं. डॉ ज्योति ने बताया कि उनकी चित्रकला में पेन व इंक, वाटरकलर, पॉटरी आर्ट, और एक्रेलिक जैसे माध्यमों की विविधता है. उन्होंने बताया उन्हें पेंटिंग करने का शौक बचपन से ही था, पर अपने सपने को पूरा करने का समय अपने करियर की वजह से नहीं मिल पाया. वह लगातार अपनी पढ़ाई में व्यस्त रहीं और नेत्र विशेषज्ञ बनकर अपने जीवन को दिशा तो दी, पर साथ ही अपने बचपन के शौक के जुनून को साथ लेकर चली और अब काम से समय निकालकर पेंटिंग्स बनाकर अपनी कला का प्रदर्शन लोगों के बीच विभिन्न माध्यमों से रखती हूं. कंसलटेंट राजेश तैनानी बताते हैं कि ज्योति के चित्रों में स्त्री-अंत:करण की अनुभूतियां, सामाजिक विडंबनाओं की प्रतिध्वनि और प्रकृति की सूक्ष्म आत्मीय छवियाँ दिखाई देती हैं.

सांदीपनि स्कूलों को मिली कौशल विकास पुस्तिका

भोपाल, 17 जुलाई. प्रदेश में संचालित सांदीपनि और आईसीटी लैब विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को कम्प्यूटर कौशल से जुड़ी जानकारी पर आधारित पुस्तिका स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है. यह पुस्तिका कक्षा 6 से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों के लिये उपयोगी है. इन पुस्तकों का प्रकाशन पाठ्यपुस्तक निगम से कराया गया है. आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने विद्यार्थियों के बीच पुस्तिका के वितरण के संबंध में समस्त जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किये है.